आतंकवाद के खतरे पर अंकुश

यह एडिटोरियल 16/11/2022 को 'इंडियन एक्सप्रेस' में प्रकाशित "How we can further our efforts in curbing terror financing" लेख पर आधारित है। इसमें आतंकी **वित्तपोषण** और इससे संबद्ध चुनौतियों के बारे में चर्चा की गई है।

आज पूरी दुनिया में आतंकवाद का खतरा मंडरा रहा है। अस्पष्ट रूप एवं चरित्रों के विभिन्न आतंकवादी समूह, नए किस्म का साइबर आतंकवाद, बढ़ते 'लोन वुल्फ' हमले—ये सभी हिंसा के अशुभ खतरों को बढ़ा रहे हैं। भारत ने आतंकवाद का आघात झेला है और पिछले कुछ दशकों में कई बड़े शहरों में विवेकहीन हिंसक विस्फोटों में जान-माल की गंभीर हानि देखी है।

प्रौद्योगिकी और संचार में परिवर्तनों एवं प्रगति के साथ जैसे-जैसे दुनिया सिकुड़ती जा रही है, आतंकवादियों, हथियारों और धन का राष्ट्रीय सीमाओं के आर-पार जाना भी सरल होता जा रहा है। इस परिदृश्य में विभिन्न देशों के कानून प्रवर्तन प्राधिकारों के बीच अंतर्राष्ट्रीय सहयोग स्थापित करना ऐसी सीमा पार चुनौतियों का मुकाबला करने के लिये अनिवार्य हो गया है।

आतंकवाद का मुकाबला करने के लिये भारत की प्रमुख पहलें

- 26/11 आतंकवादी हमले के बाद भारत ने आतंकवाद को लेकर एक बेहद गंभीर रुख अपनाया है। जनवरी 2009 में आतंकी अपराधों से निपटने के लिये **राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (National Investigation Agency- NIA)** की स्थापना की गई थी।
- भारत में **गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) संशोधन अधिनियम (Unlawful Activities (Prevention) Amendment Act- UAPA)** प्राथमिक आतंकवाद विरोधी कानून है।
- सुरक्षा से जुड़ी जानकारी जुटाने के लिये **नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड (NATGRID)** की स्थापना की गई है।
- आतंकवादी हमलों पर त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिये **राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (National Security Guard- NSG)** हेतु एक '**ऑपरेशनल हब**' का सृजन किया गया है ।

आतंकवाद का मुकाबला करने के लिये प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय पहलें

- संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद विरोधी कार्यालय (UNOCT)
- ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (UNDOC) की आतंकवाद निरोधक शाखा (TPB)
- वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (FATF)
- **आतंकवाद के विरुद्ध भारत का वार्षिक संकल्प (India's Annual Resolution on Counter-Terror)**

भारत में आतंकवाद से संबंधित प्रमुख चुनौतियाँ

- **आतंकवाद की कोई वैश्विक परिभाषा नहीं:** आतंकवाद के संघटन के संदर्भ में इसकी कोई सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत परिभाषा नहीं है, इसलिये किसी गतिविधि/कृत्य विशेष को आतंकवादी कृत्य के रूप में वर्गीकृत करना कठिन है, जो फिर आतंकवादियों को एक बढ़त प्रदान करती है और कुछ देशों को चुप रहने तथा वैश्विक संस्थाओं के पटल पर किसी भी कार्रवाई को वीटो करने का अवसर देती है।
- **आतंकवाद का बढ़ता जाल:** इंटरनेट एक अपेक्षाकृत अनियमित एवं अप्रतिबंधित स्थान प्रदान करता है जहाँ आतंकवादी वेबसाइटों और **सोशल मीडिया** प्लेटफ़ॉर्मों की असीमित संख्या के माध्यम से अपना प्रचार-प्रसार कर सकते हैं। वे इनके इस्तेमाल से अपने संगठन में शामिल होने और उनकी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिये हज़ारों संभावित नए रंगरूटों को लक्षित कर सकते हैं।
- **आतंकवाद का वित्तपोषण:** **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)** और विश्व बैंक के अनुसार अपराधियों द्वारा प्रत्येक वर्ष अनुमानित रूप से दो से चार ट्रिलियन डॉलर की मनी-लॉन्डरिंग की जाती है। आतंकवादियों द्वारा धन के लेनदेन को दान और वैकल्पिक प्रेषण प्रणालियों की आड़ में भी अंजाम दिया जाता है।
    - यह अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली को कलंकित करता है और प्रणाली की अखंडता में जनता के भरोसे का क्षरण करता है।
    - इसके अलावा, क्रिप्टोकरेंसी के विनियमन की कमी इसे आतंकवादियों के लिये अनुकूल '**ब्रीडिंग ग्राउंड**' बना सकती है।
- **जैव-आतंकवाद: जैव प्रौद्योगिकी** मानव जाति के लिये वरदान है, लेकिन यह एक बड़ा खतरा भी है क्योंकि जैविक एजेंटों की छोटी मात्रा को आसानी

से छपिाया जा सकता है, इसका परविहन कयिा जा सकता है और इसे कमज़ोर आबादी पर छोड़ा जा सकता है।
    - वशि्व भर में खाद्य सुरक्षा को बाधति करने के लयि उष्णकटबिंधीय कृषि रोगजनकों या कीटों को भी एंटीक्रॉप एजेंटों के रूप में भी इस्तेमाल कयिा जा सकता है।
- **साइबर हमला:** दुनयिा एक डजिटिल गाँव की ओर आगे बढ़ रही है जहाँ डेटा को 'न्यू ऑइल' के रूप में देखा जा रहा है। आतंकवादी कसिी देश के साइबरस्पेस, नेटवर्क पर अवैध हमले करते हैं और अपने राजनीतकि या सामाजकि उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लयि कसिी सरकार या उसके लोगों को डराने-धमकाने के लयि सूचना का उपयोग करते हैं।

आगे की राह

- **साइबर-रक्षा तंत्र का वकिास:** साइबर आतंकवाद से नपिटने के लयि एक समग्र दृष्टकिोण आवश्यक है, चाहे वह साइबर सर्च अभयिान के संचालन के संबंध में हो या साइबर हमलों के वरिुद्ध प्रतउिपायों के दायरे का वस्तिार करने के संबंध में हो।
    - साइबर सुरक्षा पर एक स्पष्ट सार्वजनकि रुख सरकार में नागरकिों के भरोसे को बढ़ावा देगा और इस प्रकार एक अधकि संलग्नकारी, स्थरि और सुरक्षति साइबर पारतिंत्र को सक्षम करेगा।
- **वैश्वकि आतंकवाद वरिोधी उपाय:** आतंकवाद की इसके सभी रूपों और अभवि्यक्तयिों में नदिा की जानी चाहयि। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को राजनीतकि मतभेदों से ऊपर उठकर आतंकवाद की चुनौती को परास्त करना चाहयि।
    - आतंकवाद की एक सार्वभौमकि परभिाषा को स्वीकार करना और आतंकवाद के प्रायोजक राष्ट्रों पर वैश्वकि प्रतबिंध लगाना शांतपिूर्ण वशि्व व्यवस्था का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।
- **क्षमता नरि्माण:** भारत को सीमा पार आतंकवाद से लड़ने के लयि सेना की वशिषज्ञता की दशिा में आगे बढ़ना चाहयि ताकि आतंकी गतविधियिों की घुसपैठ को रोकने के लयि खुफयिा और सुरक्षा एजेंसयिों के बीच समन्वय सुनश्चिति कयिा जा सके।
    - इसके साथ ही, त्वरति परीक्षण (speedy trials) करने के लयि भारत को अपनी राष्ट्रीय आपराधकि न्याय प्रणाली को उन्नत करने और आतंकवाद के वरिुद्ध सख्त कानूनी प्रोटोकॉल लागू करने की भी आवश्यकता है।
- **आतंकी वत्तिपोषण पर नयिंत्रण:** आतंकवाद के वत्तिपोषण पर अंकुश लगाने के लयि कानूनों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है, जहाँ बैंकों के लयि आवश्यक हो कि वे अपने ग्राहकों के संबंध में सम्यक तत्परता रखें और कसिी भी संदग्धि लेनदेन की रपिोर्ट करें। इसके अलावा, भारत को क्रपि्टोकरेंसी के वनियिमन की दशिा में भी आगे बढ़ना चाहयि।
    - भारत द्वारा दल्लिी में 'नो मनी फॉर टेरर' सम्मेलन की मेजबानी करना इस दशिा में एक महत्त्वपूर्ण कदम होगा।
- **युवाओं को आतंकवाद के चंगुल में फँसने से रोकना:** अहसिा, शांतपिूर्ण सह-अस्तत्वि और सहषि्णुता के मूल्यों को बढ़ावा देने में शैक्षकि प्रतषि्ठानों की महत्त्वपूर्ण भूमकिा को देखते हुए कट्टरपंथ वरिोधी कार्यक्रमों में इन्हें प्रमुखता से शामलि कयिा जाना चाहयि।
    - इसके साथ ही, आर्थकि और सामाजकि असमानताओं से नपिटने के लयि नीतयिों के नरि्माण से असंतुष्ट युवाओं को आतंकवाद की ओर आकर्षति होने से रोकने में मदद मलिेगी।

अभ्यास प्रश्न: प्रौद्योगकिीय प्रगति के साथ-साथ आतंकवाद के वकिास पर चर्चा कीजयि। आतंकवाद के खतरे को रोकने के लयि अपनाए जा सकने वाले उपायों के सुझाव भी दीजयि।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, पछिले वर्ष के प्रश्न

??????????

प्र. 'हैंड-इन-हैंड 2007' एक संयुक्त आतंकवाद वरिोधी सैन्य प्रशक्षिण भारतीय सेना के अधकिारयिों और नम्निलखिति में से कसि देश की सेना के अधकिारयिों द्वारा आयोजति कयिा गया था? (2008)

(A) चीन
(B) जापान
(C) रूस
(D) अमेरकिा

उत्तर: (A)

?????

प्र . आतंकवाद का अभशिाप राष्ट्रीय सुरक्षा के लयि एक गंभीर चुनौती है। इस बढ़ते खतरे को रोकने के लयि आप क्या उपाय सुझाएंगे? आतंकवादी फंडगि के प्रमुख स्रोत क्या हैं? (2017)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/curbing-the-menace-of-terrorism